हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 150 देहरादून, शुक्रवार, 02 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में साजिश रच रहा विभाग : यशपाल आर्य 3

स्वास्थ्य विभाग को सशक्त बना रहे डॉ राजेश कुमार ने दवाओं और खाली पदों पर लिया बड़ा फैसला

रिक्त पदों पर जल्द हो नियुक्ति; दवाइयों की कमी हो दूर : सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार के निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 2 दिसंबर ,अनुभव , काबिलियत और जज़्बा हो तो आम आदमी हो या आला अफसर , वो किसी भी चुनौती को कामयाबी से जीत सकते हैं । उत्तराखंड में स्वास्थ्य विभाग के सामने सालों से समस्याओं के समाधान निकालने की चुनौती बनी हुई थी। सरकारें बदली , अफसर बदले लेकिन विभाग की मुसीबतें जस की तस बनी रही।मौजूदा धामी सरकार ने ज़ज़्बा दिखाया और जन सामान्य की मुसीबतों से निपटने के लिए काबिल अधिकारियों को कोर टीम में शामिल करते हुए बड़े विभागों को संवारने का ज़िम्मा दिया ।

स्वास्थ्य विभाग की शक्ल ओ सूरत संवारते हुए पहले दिन से फील्ड में उतर चुके सीनियर ब्यूरोक्रेट और सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने धाकड़ फैसले लेते हुए मूल समस्याओं को तेजी से निपटाने में कामयाब होते नज़र आ रहे हैं।अब इसी कड़ी में प्रभारी सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग डॉ. आर. राजेश कुमार ने स्वास्थ्य महानिदेशालय में स्वास्थ्य विभाग की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को मद्देनजर रखते हुए दवाइयों की कमी को दूर करने के आदेश दिए हैं।प्रभारी सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने एक और बड़ा फैसला करते हुए आदेश दिया है कि चिकित्सा इकाइयों में खाली पड़े पदों को शीघ्र-अति शीघ्र भरे जाए। आपको ये बता दें कि विभाग में जिन मुद्दों और समस्यओं को अब तक हाशिये पर छोड़ दिया गया था उन समस्याओं के समाधान की दिशा में डॉ राजेश के ये आदेश मील का पत्थर साबित होंगे। नवसृजित व निर्माणाधीन चिकित्सा इकाइयों में पदों को सृजित कर शीघ्र भरते हुए नव निर्माण चिकित्सा इकाइयों का लाभ आमजन तक पहुंचाने के भी आदेश दिए हैं।प्रभारी सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने न्यूज़ वायरस के का0 संपादक आशीष तिवारी को जानकारी देते हुए सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि प्रायः यह देखा जा रहा है कि स्वास्थ्य इकाइयों में दवाइयों की कमी देखी जाती है जो कि निंदनीय विषय है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आवश्यक दवाइयों की उपलबद्धता सभी चिकित्सा इकाइयों में हो जिसके लिए पूर्व में कार्य योजना बननी चाहिए ताकि समय पर दवाइयों के स्टॉक की पूर्ण जानकारी हो। आपको ये भी बता दें प्रभारी सचिव ने हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर की समीक्षा करते हुए 664 सी.एच.ओ. की नियुक्ति 15 दिन के भीतर सुनिश्चित कर आम-जनमानस को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ हैल्थ एंड वेलनेस सेंटर में देने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है।उन्होंने जनपद हरिद्वार के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भगवानपुर में दवा जलाने के प्रकरण का संज्ञान लेते हुए महानिदेशक स्वास्थ्य को तुरंत जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दियेसमीक्षा बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. शैलजा भट्ट, निदेशक डॉ. विनीता शाह, एन.एच.एम. निदेशक, डॉ. सरोज नैथानी, अनु सचिव जसविंदर कौर, अपर निदेशक डॉ. यू.एस. कंडवाल, अपर निदेशक डॉ. मीतू शाह, प्रभारी अधिकारी डॉ. अजय कुमार नगरकर, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. फरीदुज़फर, डॉ. सुजाता सिंह, डॉ. अभय कुमार, डॉ. कुलदीप मर्तोलिया व अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

वोटर और आधार लिंक की सुस्ती पर अधिकारियों से नाराज़ डीएम सोनिका ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 दिसम्बर , जिलाधिकारी/ज लि निर्वाचन अधिकारी सोनिका ने एनआईसी सभागार कलेक्ट्रेट परिसर से जनपद में मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण एंव वोटर आधार लिंक कार्यों की समीक्षा बैठक लेते हुए समस्त रिटर्निंग अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यों को युद्धस्तर पर सम्पादित करने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त उप जिलाधिकारियों/रिटर्निंग अधिकारियों केा इस कार्य की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विकासखण्ड स्तर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड अधिकारी एवं सीडीपीओ की टीम गठित कर कार्यों में प्रगति बढाने के निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूल, कालेजों में भी अभियान चलाकर नये मतदाताओं को जोड़ने तथा आधार लिंक कार्यो में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिए वे

प्रतिदिन सभी उप जिलाधिकारी कार्यालयों से सूचना प्राप्त करते हुए प्रगति से अवगत कराए।

मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी स्कूलों में प्रधानाध्यापकों को इस कार्य में सहयोग करने हेतु पत्र प्रेषित करें साथ ही उप जिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूलों में टीम भेजकर अभियान चलाते हुए नये वोटरों को जोड़ने के निर्देश दिए। साथ इस कार्यों प्रचार-प्रसार करने को निर्देशित किया ताकि अधिक-अधिक मतदाता जो मतदाता सूची में जुड़ने से वंचित है तथा जुड़ने योग्य हो रहे है वह इससे लाभान्वित हो सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान वर्चुअल माध्यम से जुड़ी रही तथा एनआईसी सभागार में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ एस.के बरनवाल, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, मसूरी शेलेन्द्र नेगी, डोईवाला युक्ता मिश्रा, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी पी.एस रावत उपस्थित रहे। उप जिलाधिकारी चकराता, विकासनगर, ऋषिकेश सहित सम्बन्धित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

तीन महीने नहीं चलेगी जनता और कुंभ एक्सप्रेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रेलवे ने कोहरे को देखते हुए और यात्रियों की सुरक्षा के लिए दो ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया है. हालांकि ट्रेनों के रद्द होने से हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. रेल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार देहरादून से बनारस जाने वाली जनता एक्सप्रेस 2 दिसंबर से 3 मार्च तक रद्द कर दी गई है.दून स्टेशन से चलने वाली प्रमुख ट्रेनें जनता और कुंभ एक्सप्रेस तीन महीने के लिए रद्द कर दी गई हैं. देहरादून से हावड़ा जाने वाली कुंभ एक्सप्रेस तीन दिसंबर से एक मार्च तक नहीं चलेगी। स्टेशन अधीक्षक शशांक शर्मा ने बताया कि उपासना एक्सप्रेस को फिलहाल रद्द नहीं किया गया है।यह ट्रेन अपने निर्धारित तिथि व समय पर ही चलेगी। उन्होंने बताया कि अगर कोई ट्रेन रद्द होती है तो इसकी सूचना पहले दी जाएगी. इधर उक्त दोनों ट्रेनों के रद्द होने से इस रूट के यात्रियों की परेशानी बढ़ गयी है. कई ऐसे यात्री हैं जिन्होंने तीन-तीन महीने पहले टिकट बुक करा लिया था।दून स्टेशन से चलने वाली प्रमुख ट्रेनें जनता और कुंभ एक्सप्रेस तीन

महीने के लिए रद्द कर दी गई हैं. देहरादून से हावड़ा जाने वाली कुंभ एक्सप्रेस तीन दिसंबर से एक मार्च तक नहीं चलेगी। स्टेशन अधीक्षक शशांक शर्मा ने बताया कि उपासना एक्सप्रेस को फिलहाल रद्द नहीं किया गया है।यह ट्रेन अपने निर्धारित तिथि व समय पर ही चलेगी। उन्होंने बताया कि अगर कोई ट्रेन रद्द होती है तो इसकी सूचना पहले दी जाएगी. इधर उक्त दोनों ट्रेनों के रद्द होने से इस रूट के यात्रियों की परेशानी बढ़ गयी है. कई ऐसे यात्री हैं जिन्होंने तीन-तीन महीने पहले टिकट बुक करा लिया था।

धाकड़ दुल्हनिया दूल्हा लेने घोड़े से पहुंची उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 दिसंबर , भारतीय शादी में अब अलग-अलग तरीके इवेंट्स देखे जाने लगे हैं और बदलते दौर में लड़कियां किसी से भी पीछे नहीं हैं। बारात में राजशाही अंदाज में एंट्री लेने की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। 25 वर्षीय दुल्हन सिमरन ने सभी परंपराओं को तोड़ते हुए घोड़े पर बैठकर दूल्हे को लेने उत्तराखंड के काशीपुर पहुंची तो सब हैरान रह गए।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक दुल्हन ने अपनी शादी में घुड़चढ़ी की रस्म करके सभी को चौंका दिया, क्योंकि आमतौर पर रस्म दुल्हे करते हैं। अब घुड़चढ़ी करती दुल्हन का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं दुल्हन का कहना है कि वह लैंगिक समानता का संदेश देना चाहती हैं। मुजफ्फरनगर के खतौली की रहने वाली 25 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर सिमरन चौधरी ने रूढ़िवादिता को तोडकर 'लैंगिक समानता' का संदेश दिया। अपनी शादी में पगड़ी पहन बग्घी पर सवार होकर घुड़चढ़ी की। सिमरन दूल्हे के तरह तैयार हुईं।बग्घी पर बैठी और अपने परिवार और

दोस्तों के साथ शादी की रस्म के लिए निकासी की। सिमरन ने बताया कि परिवार में मेरे साथ कभी बेटी की तरह व्यवहार नहीं किया गया। परिवार ने हमेशा मेरा साथ दिया और बेटे की तरह रखा।

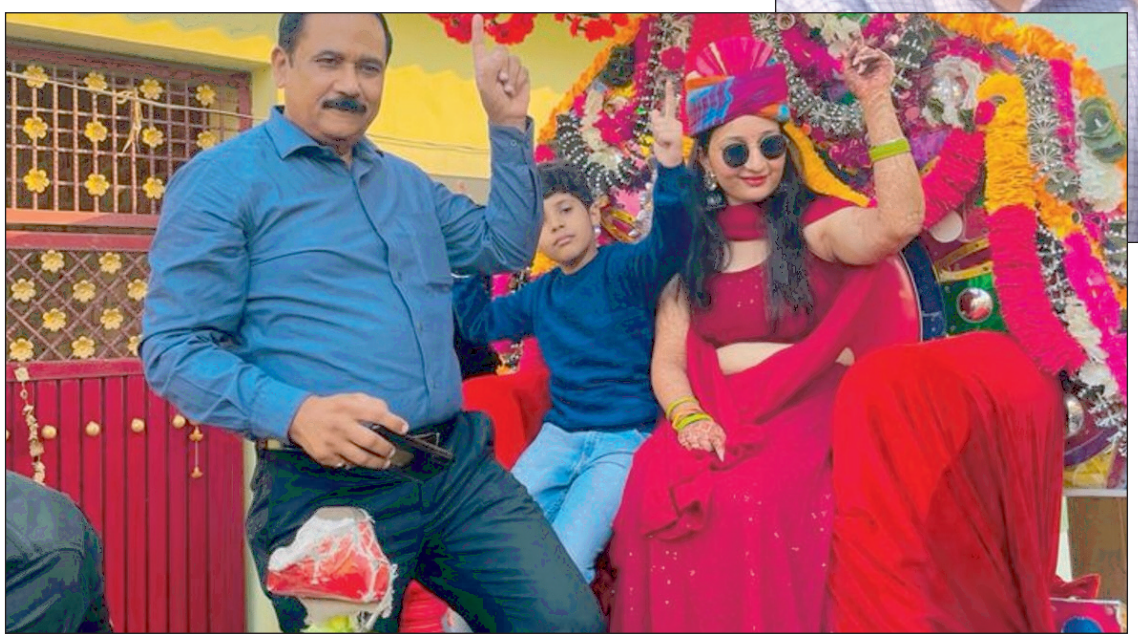

उन्होंने कहा कि वह उन सभी लड़कियों को संदेश देना चाहती थी, जो सोचती हैं कि लड़कों की तरह अच्छी नहीं हैं। सिमरन ने कहा कि घुड़चढ़ी शादी में एक आम रस्म है। शादी के दौरान दूल्हा आमतौर पर घोड़े की सवारी करता है। और आज दुल्हन घोड़े पर है। सिमरन के चाचा मनोज बालियान ने बताया कि हम दिखाना चाहते थे कि लड़के और लड़कियों में कोई अंतर नहीं है। सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। सिमरन एक पढ़ी-लिखी कामकाजी लड़की है। दो साल यूएई में नौकरी करने के बाद दो महीने पहले वहां से लौटी थी। सोमवार को सिमरन की हुई है। उनके चाचा ने बताया कि सिमरन मेरे भाई पिंटू चौधरी (जो कि एक किसान है) की इकलौती संतान है। उत्तराखंड के काशीपुर निवासी दुष्यंत चौधरी से उसकी शादी हुई है। दुष्यंत एक पेट्रोलियम इंजीनियर है।

क्या आपको पता है AIIMS में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट कैसे मिलता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 दिसंबर , दिल्ली का एम्स अस्पताल ऐसा है, जहां लोगों को भरोसा रहता है कि कहीं नहीं तो यहां इलाज हो जाएगा। इसलिए हजारों किलोमीटर दूर से लोग यहां इलाज के लिए आते हैं, लेकिन दूर दराज से आने वाले कई लोगों को यहां के नियम पता नहीं होते हैं क्योंकि देश का सबसे विश्वसनीय अस्पताल होने के नाते यहां भारी भीड़ होती है. इसलिए यहां पहले से ही अपॉइंटमेंट लेना पड़ती है. आप यहां के लिए अपॉइंटमेंट कैसे ले सकते हैं? क्या इमरजेंसी में बिना अपॉइंटमेंट के इलाज हो सकता है? न्यूज़ वायरस आपको बता रहा इन्हीं सवालों के जवाब -

ओपीडी का अपॉइंटमेंट ऑनलाइन कैसे लें?

आपको ORS पोर्टल (https://ors.gov.in) पर जाना होगा।

यहां AIIMS कैटिगरी में AIIMS Delhi को सेलेक्ट करें।

यहां आपको Appointment का विकल्प चुनना होगा।

फिर New Appointment पर क्लिक करना होगा।

यहां आपसे पूछा जाएगा कि कहां दिखाना है. अगर आप एम्स के मेन कैंपस की ओपीडी में

दिखाना चाहते हैं तो 'Main Hospital,Out Patient Department' को चुन लें.

इसके बाद आपसे डिपार्टमेंट पूछा जाएगा कि आप कहां दिखाना चाहते हैं. यहां आप डिपार्टमेंट सेलेक्ट करें फिर तारीख दर्ज करें.

तारीख दर्ज करने के बाद ORS पोर्टल पर रजिस्टर या लॉगिन करना होगा.

प्रोसेस पूरी हो जाने पर आपको कन्फर्मेशन SMS आएगा.

बिना अपॉइंटमेंट के जा सकते हैं या नहीं?

अगर आप ओपीडी जाना चाहते हैं तो बिना अपॉइंटमेंट के सीधे जा सकते हैं, लेकिन बिना अपॉइंटमेंट के जाने वाले लोगों को वेटिंग एरिया में रुकना होता है. इसलिए बेहतर यही है कि आप अपॉइंटमेंट लेकर जाए. यहां डिपार्टमेंट के हिसाब से स्लॉट-वाइज टोकन दिए जाते हैं.

ओपीडी की रजिस्ट्रेशन फीस कितनी है?

एम्स में पहले OPD कार्ड 10 रुपये में बन जाता था, हालांकि इसे 1 नवंबर से निःशुल्क कर दिया गया है. इसके अलावा 300 रुपये तक के यूजर चार्जेस भी वसूले जाते थे, जिसे बंद कर दिया गया है.

टेलीफोन पर बुकिंग कैसे लें

एम्स ओपीडी में अपॉइंटमेंट लेने के लिए आप इस नंबर (011-26589142) पर कॉल कर सकते हैं. ओपीडी बुकिंग के लिए आप सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक कॉल कर सकते हैं. ये जानकारी आपकी सुविधा के लिए है जो समय समय पर अपडेट भी होती रहती है।

विटामिन डी को सोखने का सही तरीका और सबसे अच्छा समय क्या है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

यह एक सर्वविदित तथ्य है कि शरीर को विटामिन डी का उत्पादन करने के लिए पर्याप्त सूर्य के संपर्क की आवश्यकता होती है, जो हड्डियों और जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। लेकिन क्या आप अधिकतम विटामिन डी अवशोषण के लिए सूर्य के प्रकाश को सोखने का सही तरीका और समय जानते हैं? चिंता न करें, हमने आपको सारी जानकारी उपलब्ध करा दी है।पोषण विशेषज्ञ लीमा महाजन ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में शरीर को विटामिन डी के उत्पादन में मदद करने के लिए सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कहा कि विटामिन डी कई प्रोटीन और एंजाइम के निर्माण में शामिल है जो मानव स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं और कई बीमारियों को भी रोकते हैं।

विटामिन डी की कमी हो सकती है *हड्डी नुकसान *मांसपेशियों की हानि

*बाल झड़ना *मनोदशा में बदलाव

*भार बढ़ना

* श्वसन संबंधी समस्याएंउन्होंने विस्तार से बताया कि सूर्य के प्रकाश को कैसे सोखें।

*आंखों को सीधे धूप में जाने से बचाएं

* महाजन के अनुसार सबसे अच्छा समय दोपहर 12-3 बजे के बीच है। हालांकि, आदर्श समय वह है जब सूरज की किरणें बहुत कठोर नहीं होती हैं क्योंकि ऐसी किरणों के सीधे संपर्क में आने से त्वचीय मेलेनोमा हो सकता है, जो एक घातक ट्यूमर है। वर्णक-उत्पादक कोशिकाओं द्वारा मेलानोसाइट्स कहा जाता है।

*महाजन के अनुसार साँवली त्वचा वालों के लिए 30 मिनट से अधिक और गोरी त्वचा वालों के लिए 15 मिनट से अधिक की आवश्यकता नहीं है।

* उसने पीठ, हाथ, कंधे को उजागर

करने का सुझाव दिया। महाजन ने कहा, जितना अधिक त्वचा उजागर होती है, उतना ही अच्छा होता है। जोड़ते हुए, डॉ कपूर ने उल्लेख किया कि श्लंबी अवधिश् के लिए सूरज के संपर्क से बचना सबसे अच्छा है।

*धूप में नहाने के बाद सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें, न कि स्नान के दौरान। सनस्क्रीन यूवी किरणों को अवशोषित नहीं होने देते।

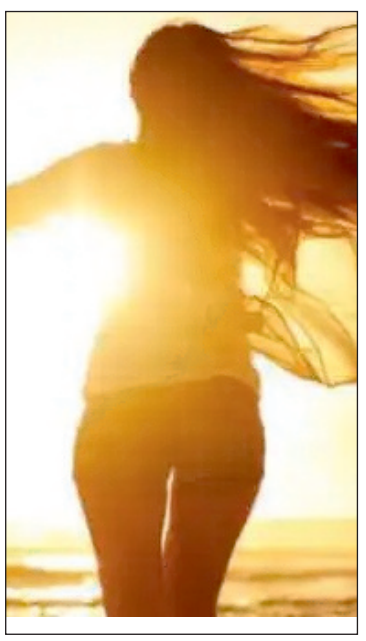

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में साजिश रच रहा विभाग : यशपाल आर्य

वाहन स्वामियों पर दोहरी मार पड़ने वाली है : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 दिसंबर , उत्तराखंड के सीनियर लीडर और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि ऑटो रिक्शा और विक्रम देहरादून के परिवहन की लाइफ लाइन हैं। इसी से इस शहर में आवागमन होता है। परिवहन स्वामियों के हजारों परिवार इन वाहनों से पलते हैं लेकिन आज इनके साथ षड्यंत्र हो रहा है। इन परिवारों की रोटी छीनने की कोशिश सरकार कर रही है। इन परिवारों के साथ-साथ राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को भी छिन्न- भिन्न करने की साजिश लग रही । उन्होंने कहा कि अभी कोई वैध नोटिफिकेशन सार्वजनिक पटल पर नहीं आया है। लेकिन 1 नवंबर 2022 को संभागीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक के बाद से समाचार पत्रों और सभी तरह के मीडिया में यह प्रचारित किया जा रहा है कि 31 दिसंबर 2023 तक देहरादून शहर के भीतर से डीजल के ऑटो रिक्शा एंव विक्रमों को बाहर कर दिया जाएगा। डीजल से चलने वाले इन वाहनों को बदल कर इन छोटी गाड़ियों से पेट पालने वालों को एल०पी०जी० और सी०एन०जी० गाड़ियों को ले लेना होगा।

नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि इन वाहन स्वामियों पर दोहरी मार पड़ने वाली है क्योंकि इनके ऊपर पहले ही डीजल वाहनों का कर्जा है अब इनको कर्जा लेकर फिर से एल०पी०जी० और सी०एन०जी० वाहन लेने पड़ेगे। यदि इतना बड़ा निर्णय संभागीय परिवहन प्राधिकरण ने ले लिया है तो इन छोटे परिवहन व्यवसायियों का मत भी पूछा जाना चाहिए था। इसलिए ये छोटे कारोबारी हड़ताल पर हैं।

इनकी यूनियन इस मामले को उच्च न्यायालय में जीत चुकी है। सरकार को बताना चाहिए आखिर क्या बाध्यता थी कि संभागीय परिवहन प्राधिकरण ने यह निर्णय ले लिया। इसे प्रचारित तो बहुत किया जा रहा है लेकिन इस सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। इसलिए सरकार को इस तथ्य को सार्वजनिक करना चाहिए कि वास्तविक स्थिति क्या है ? उन्होंने कहा कि यदि यह सच है तो एक साल में देहरादून शहर के सभी परिवहन स्वामियों को अपने ऑटो रिक्शा और विक्रम बदल कर एलपीजी या सी०एन०जी० के कर देने हैं। शहर के आटो डीलरों पर एल०पी०जी० सी०एन०जी० के वाहन उपलब्ध नहीं हैं। कहां से इतने वाहन आएंगे ? इस निर्णय में बड़ी मिली भगत की गंध आ रही है। जिस दिन संभागीय परिवहन प्राधिकरण में यह निर्णय लिया गया उसी दिन शहर में इन वाहनों की कीमत में 50 हजार रुपए की वृद्धि कर दी गई।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एलपीजी या सी०एन०जी० वाहनों की उपलब्धता ही नहीं देहरादून शहर में सी०एन०जी० को रिफ्यूल करने के लिए आज के दिन केवल 4 पम्प हैं। इन पम्पों पर रात भर से दिल्ली आदि से आने वाले पर्यटकों के दोनों को रिफिल करने की लाइन लगी रहती है। रात भर खड़े रहने पर । सी०एन०जी० नहीं मिलती पाता है तो फिर इन छोटे वाहन स्वामियों की रोजी-रोटी चलेगी। अभी नए पंपों को खोलने और सी०एन०जी० उपलब्ध कराने की कोई रणनीति नहीं है और परिवहन स्वामियों को इन वाहनों को खरीदने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि देहरादून शहर के भीतर डीजल के ऑटो रिक्शा और विक्रम ही आम आदमी की सवारी है। यदि देहरादून शहर से इन वाहनों को बाहर निकालने का तुगलकी आदेश लागू कर दिया गया तो शहर की परिवहन व्यवस्था तो बिगड़ेगी ही हजारों लोगों को रोजी-रोटी का संकट भी होगा।

राष्ट्रपति के देहरादून में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा प्रशासन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 दिसंबर , महामहिम राष्ट्रपति के देहरादून में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर जिलाधिकारी सोनिका एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह कुंवर ने संयुक्त रूप में ऋषिपर्णा सभागार में बैठक करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने कार्यक्रम दून विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान चाक चैबन्ध व्यवस्था बनाने तथा कार्यक्रम स्थलों पर पूर्व में निरीक्षण करते हुए व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। लोनिवि एवं एनएच के अधिकारियों को सड़के ठीक करने तथा नगर निगम को सफाई व्यवस्था के साथ ही सेनिटाइजर, वन विभाग को हेलीपेड एवं निर्धारित रूट पर लोपिंग करने, विद्युत विभाग को कार्यक्रम के दौरान निर्बाध विद्युत व्यवस्था, जल संस्थान एवं पेयजल निगम के अधिकारियों को पेयजल व्यवस्था बनाये रखने, भारत दूरसंचार निगम लि0 को कार्यक्रम स्थलों पर कनैक्टिविटी रखने को निर्देशित किया।उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को समस्त कार्यक्रम स्थलों एवं फ्लीट के साथ चिकित्सकों की टीम उपकरण एवं एम्बुलेंस के साथ तैनात रखते हुए क्लोज डयूटी में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के 72 घंटे पूर्व आरटीपीसीआर टेस्ट करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों/कार्मिकों सहित लाईजन आफीसर तैनात करने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह कुंवर समस्त विभागों के अधिकारियों को मानक अनुरूप व्यवस्थाए करने के साथ ही पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को रूट प्लान तैयार करते हुए रेखीय विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी नितिश मणी त्रिपाठी , डीएफओ मसूरी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 एस.के बरनवाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम ऋषिकेश राहुल गोयल, अपर मुख्य परियोजना अधिकारी स्मार्ट सिटी लि0 श्याम सिंह, पुलिस अधीक्षक यातायात अक्षय कोण्डे, अपर मुख्य नगर अधिकारी नगर निगम जगदीश लाल, नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चैहान, पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कमलेश उपाध्याय, उप जिलाधिकारी विकासनगर विनोद कुमार, उप जिलाधिकारी सदर नरेशचन्द्र दुर्गापाल, डोईवाला युक्ता मिश्रा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 मनोज कुमार उप्रेती सहित लोनिवि, एनएच, बीएसएनएल, परिवहन, जल संस्थान, पेयजल निगम, विद्युत आदि सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के गौचर, चिन्यालीसौड़ से छोटे विमान सेवाएं शुरू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि उत्तराखंड के गौचर और चिन्यालीसौड़ से छोटे विमान सेवाओं को उड़ान योजना के पांचवें चरण की निविदा में शामिल किया जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को लिखे पत्र में सिंधिया ने यह भी कहा कि पिथौरागढ़ से फिक्स्ड विंग विमान सेवा अगले साल जनवरी में शुरू होगी।

उड़ान योजना के पांचवें चरण - UDAN 5.0 - जिसमें उत्तराखंड के चमोली और उत्तरकाशी जिलों में गौचर और चिन्यालीसौड़ को शामिल किया गया है, का उद्देश्य पर्यटक रुचि के स्थानों के करीब 50 से अधिक नए गंतव्यों को जोड़कर क्षेत्रीय से दूरस्थ हवाई संपर्क में जाना है। इसकी सूची। केंद्रीय मंत्री ने पत्र में कहा है कि फ्लाई बिग एयरलाइन को पहले ही 31 जनवरी से पिथौरागढ़ से फिक्स्ड विंग विमान सेवा शुरू करने को कहा जा चुका है व्यवस्था के तहत फर्म द्वारा पिथौरागढ़-पंतनगर, पंतनगर-पिथौरागढ़, पिथौरागढ़-हिंडन, हिंडन-पिथौरागढ़, पिथौरागढ़-देहरादून और देहरादून-पिथौरागढ़ के बीच फिक्स्ड विंग उड़ान संचालन किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि पंतनगर हवाईअड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में उन्नत करने के लिए प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट भी तैयार कर ली गई है। पहाड़ी राज्य में नागरिक उड्डयन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के अनुरोध के साथ मुख्यमंत्री ने 27 नवंबर को केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की थी।

एसएसपी श्वेता चौबे अपराधों की धरपकड़ के लिए दिये कड़े निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 2 दिसंबर , वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने पुलिस उपाधीक्षक सर्किल श्रीनगर/पौड़ी/कोटद्वार की वीसी के माध्यम से गोष्ठी ली और अन्तर्राज्जीय एवं अन्तर्जनपदीय बैरियरों पर चैकिंग, रात्रि गश्त व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाये जाने के सम्बन्ध में कई बड़े दिशा निर्देश दिये हैं - आइये जानते हैं क्या है आपकी सेवा सुरक्षा को लेकर आईपीएस श्वेता चौबे ने योजना तैयार की है -

समस्त क्षेत्राधिकारी अपने-अपने सर्किल क्षेत्र के थानों पर प्रभावी रात्रि गश्त/पिकेट व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करायेंगे।

जनपद के समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र के मुख्य-मुख्य महत्वपूर्ण/संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट लगायेंगे तथा सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी अपने-अपने सर्किल में लगातार भ्रमणशील रहकर गश्त/पिकेट व्यवस्था का पर्यवेक्षण करेंगे।वर्तमान में सर्दियों का मौसम चल रहा है, जिस कारण आपराधिक तत्वों की गतिविधियां जैसे- लूट, चोरी/नकबजनी एवं महिलाओं से दुर्व्यवहार की घटनायें घटित होने की सम्भावनायें बढ़ जाती हैं। जिसका आम जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश एवं रोकथाम हेतु पुलिस की और अधिक सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिये गये। जिससे कि जन सामान्य में सुरक्षा की भावना व पुलिस के प्रति विश्वास बना रहे।

बालिकाओं के स्कूल/ कॉलेजों एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों के खुलने व बन्द होने के समय सम्बन्धित थाना प्रभारी तथा "PINK UNIT" द्वारा गश्त व प्रेट्रोलिंग की जायेगी। साथ ही स्कूल/ कॉलेजों व विभिन्न शिक्षण संस्थानों के आस पास अनावश्यक रुप से घूमने वाले मनचलों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुये उनकी चैकिंग की जायेगी। समस्त थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सिटी पैट्रोल, चीता मोबाइल एवं हिल प्रेट्रोलिंग को निरन्तर भ्रमणशील रखते हुये पुलिस की सक्रियता बनाये रखेंगे।क्षेत्राधिकारी श्रीनगर, थाना श्रीनगर के पौड़ी चुंगी एवं कलियासौड़ (अन्तर्जनपदीय) बैरियरों पर रात्रि के समय सदिग्धों पर नजर रखते हुये प्रभावी चैकिंग करवायेगें। जिसमें थाना प्रभारी भी स्वयं अन्तर्जनपदीय बैरियरों पर पुलिस टीम के साथ स्वयं चैकिंग करेंगे। क्षेत्राधिकारी कोटद्वार, थाना कोटद्वार के कौड़िया (अन्तर्राज्जीय), सिद्धबली, दुगड्डा एवं सनेह बैरियरों पर रात्रि के समय सदिग्धों पर नजर रखते हुये प्रभावी चैकिंग करवायेगें। जिसमें सम्बन्धित थाना प्रभारी भी स्वयं पुलिस टीम के साथ लगातार चैकिंग कर कार्यवाही करेंगे। बैरियरों पर चैकिंग के समय वाहनों को रोककर वाहन चालकों एवं सवारियों की गहनता से चैकिंग कर उनके आधार कार्ड अथवा पहचान पत्र का मिलान कर सत्यापन करेंगे।सम्बन्धित थाना प्रभारी प्रत्येक बैरियर पर एक चैकिंग रजिस्टर रखेंगे, जिसमें चैकिंग किये गये वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों का पूर्ण विवरण जैसे नाम, पता, मोबाईल नम्बर, आने/जाने का स्थान आदि अंकित करेंगे। बैरियरों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों को भौतिक रुप से चैक कर, सीसीटीवी कैमरे सही प्रकार से कार्य कर रहें अथवा नहीं, की सूचना तत्काल उपलब्ध करायेगें जो सीसीटीवी कैमरे कार्य नहीं कर रहे हैं उनकी मरम्मत कर सुचारु करायेंगे। क्षेत्राधिकारी कोटद्वार सुनिश्चित करेगें कि कोटद्वार के गोखले मार्केट में अतिक्रमण की स्थिति से जन सामान्य को असुविधा न हो।सम्बन्धित थाना प्रभारी आगामी शादी समारोहों के सीजन के दृष्टिगत भी बैरियरों पर उपरोक्तानुसार चैकिंग की कार्यवाही करेंगे।सम्बन्धित थाना प्रभारी बैरियरों पर चैकिंग की फोटो एवं वीडियो चेकिंग हेतु बनाए गये व्हाट्स एप ग्रुप पर अपलोड करेंगे।

उत्तराखंड : पहाड़ों पर और गिर सकता है पारा, पाला पड़ने की संभावना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 दिसंबर , प्रदेशभर में आने वाले दो दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान पहाड़ी क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। हालांकि मैदानों में फिलहाल न्यूनतम तापमान स्थिर रह सकता है. मैदानी इलाकों में अधिकतर स्थानों पर हल्के से गहरा कोहरा व धुंध छाए रहने और पहाड़ों में पाला पड़ने की संभावना है। इससे देश के अन्य राज्यों में भी असर देखने को मिलेगा। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में 15.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक अंतर रहने की संभावना है।

पाले से पहाड़ों में ठंड में इजाफा हो सकता है। मैदान से पहाड़ तक चटख धूप खिली रही। देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 25.3 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 10.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसी तरह मसूरी का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 21.2 व न्यूनतम तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस, मुक्तेश्वर का 15.4 व न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने मीडिया को बताया कि आने वाले दो दिनों में उत्तराखंड में मौसम शुष्क बना रहेगा। पहाड़ों में कहीं-कहीं सामान्य से अधिक पाला पड़ने और मैदानी क्षेत्रों में कहीं-कहीं कोहरा पड़ने की संभावना है।

तेंदुए से फिर मचा हड़कंप उत्तराखंड के अल्मोड़ा में तेंदुए के हमले में बुजुर्ग की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रानीखेत तहसील में तेंदुए के हमले में 58 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। घटना दिना गांव में उस समय हुई जब एक तेंदुआ एक बुजुर्ग व्यक्ति को उसके घर के पास से खींच ले गया। बुजुर्ग व्यक्ति की पहचान मोहन राम के रूप में हुई है जो कथित तौर पर कल से लापता है, जिसके बाद उसकी तलाश की गई। युवक का क्षत-विक्षत शव आज सुबह उसके घर से करीब एक किमी दूर मिला।रानीखेत संयुक्त दंडाधिकारी जय किशन, डीएफओ अल्मोड़ा, महतीम यादव, तहसीलदार सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। आक्रोशित ग्रामीणों ने शिकायत की कि वे लंबे समय से गांव में तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग कर रहे थे, लेकिन वन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की.मृतक के परिजनों को मुआवजा ग्रामीणों की मांग पर डीएफओ ने पिंजरा मंगवाया और मृतक के परिजनों को 50 हजार रुपये की तत्काल सहायता दी गई.डीएफओ अल्मोड़ा महातिम यादव ने कहा, 'हमने पिंजरा मंगवाया है और हम शिकारियों से भी संपर्क कर रहे हैं।'मृतकों के परिजनों को तत्काल मुआवजा देने की घोषणा की गई है ताकि वे अंतिम संस्कार कर सकें. कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद उन्हें चार लाख रुपये मुआवजा दिया जाएगा।

ब्रह्म कमल : रात की रानी से मिलकर आपकी किस्मत संवर जाएगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 दिसंबर , आमतौर पर फूल साल में कई समय तक के लिए खिलते हैं. कुछ फूल साल के खास वक्त में ही खिलते हैं पर जिस फूल की हम आपको बताने जा रहे हैं वो इतना रहस्यमयी है कि वो साल में सिर्फ 1 ही रात के लिए खिलता है. इस दुर्लभ फूल को लोग रात की रानी भी कहते हैं.

एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार एपिफिलम ऑक्सीपेटलम (Epiphyllum Oxypetalum) असल में कैक्टस की प्रजाति का एक पौधा है जो सफेद रंग के बेहद खूबसूरत फूलों को उगाने के लिए जाना जाता है. ये फूल साल में सिर्फ 1 रात के लिए उगते हैं. इस फूल को क्वीन ऑफ द नाइट

कहा जाता है. ये फूल उस एक रात में कुछ ही घंटों के लिए खिलता है और सूर्योदय होने से पहले मुरझा जाता है. मेक्सिको, मध्य अमेरिका और एटलीज में ये फूल उगते हैं और इसे देखने के लिए दूसरे देशों से लोग आते हैं.

ये इतना दुर्लभ है कि लोगों का मानना है कि जो इसे खिले हुए देख लेता है उसकी किस्मत चमक जाती है. कई लोगों ने तो फूल को खिले आजतक नहीं देखा है बावजूद इसके कि उनके घर में ये पौधे उगा है. इस बात का पता लगाना तो मुश्किल है कि ये फूल किस वक्त उगेगा मगर जिन लोगों ने इसे उगे देखा है, उनका दावा है कि ये गर्मी की रातों को और वसंत के मौसम में उगता है. कुछ लोगों का मानना है कि ये पूर्णिमा की रात को ही उगता है वहीं कुछ का कहना है कि ये भारी बारिश के बाद उगता है. इसकी खुशबू इतनी ज्यादा होती है कि कुछ दूरी से ही इसे सूंघा जा सकता है पर ये सिर्फ 1-2 घंटे के लिए ही उगता है.

उत्तराखंड और भगवान शिव से है खास कनेक्शन

इस अद्भुत पुष्प को भारत में ब्रह्म कमल कहा जाता है जो उत्तराखंड और आसपास के पहाड़ी इलाकों में होता है. पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक ब्रह्म कमल वही फूल है जिस पर भगवान शिव ने जल छिड़क कर भगवान गणेश को जीवित किया था. यही वजह है कि इस फूल को जीवन देने वाला फूल भी कहते हैं. ऐसे में मान्यता है कि यदि किसी बीमार व्यक्ति के पास इस फूल को रखा जाए तो उसकी सेहत में सुधार होता है. एक मान्यता तो ये भी है कि अगर कोई ब्रह्म कमल को खिला हुआ देख ले तो उसकी किस्मत पलट जाती है. कहते हैं कि खिलते हुए ब्रह्म कमल को देखने से व्यक्ति का भाग्य उदय हो सकता है.

वेडिंग प्लानर बनकर आप ऊँचा नाम और बड़ा दाम कमा सकते हैं, जानिए कैसे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 2 दिसंबर , यह तो आप सभी जानते ही होंगे कि भारतीय सभ्यता में किसी भी शादी विवाह को बहुत अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है और किसी भी प्रकार के मौसम के होने पर विवाह का होना निश्चित होता है। ऐसे में घर में खुशियों का वातावरण होता है और सुकून भी महसूस होता है। जब भी शादी की बात आती है तो उसके पीछे कई तरह की तैयारियों का भी जायजा लिया जाता है जिसकी वजह से लगातार बजट बढ़ता चला जाता है ऐसी स्थिति में कई बार ऐसा भी होता है कि आपको बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ जाता है और कई बार ऐसा भी होता है की शादी की जिम्मेदारियों में हम बहुत सी जरूरी चीजों को भूल जाते हैं ऐसी स्थिति में यदि हम वेडिंग प्लानर की सहायता ले तो हमारी शादी विवाह से संबंधित सभी जिम्मेदारियां वेडिंग प्लानर ही लेता है।

जो लोग यह जानना चाहते हैं कि Wedding Planner क्या है तो हम आपको बता दें की वेडिंग प्लानर शादी की योजना बनाने वाले व्यक्ति को कहा जाता है। वेडिंग प्लानर में शादी से संबंधित सभी कार्य शामिल होते हैं वेडिंग प्लानर शादी में होने वाली सजावट, कार्यक्रम, खाना परोसने वह बैठने उठने की व्यवस्था से लेकर सभी की रूपरेखा तैयार करता है और सभी कार्यक्रम समय पर होने की जिम्मेदारी लेता है। वेडिंग प्लानर के पास खुद की पूरी टीम होती है जो इस पूरे कार्यक्रम को मैनेज करती है इस टीम के माध्यम से ही शादी के जुड़े सभी कामों को अच्छे तरीके के साथ मैनेज किया जाता है इसमें मुख्य रूप से डेकोरेशन पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

वर्तमान समय में वेडिंग प्लानर बनना एक बहुत ही अच्छे कैरियर के रूप में दिखाएं देता है यदि आप Event Management में Diploma कर लेते हैं तो यह आपके लिए अधिक फायदेमंद होता है और आप आसानी से ही Wedding Planner जैसे काम को आजमा सकते हैं। यदि आप एक कुशल वेडिंग प्लानर बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको इस क्षेत्र में डिप्लोमा करना फायदेमंद साबित होगा। ताकि आप अधिक से अधिक तरक्की कम समय में ही हासिल कर सके। इसके अतिरिक्त यदि आप Wedding Planner से संबंधित आपके

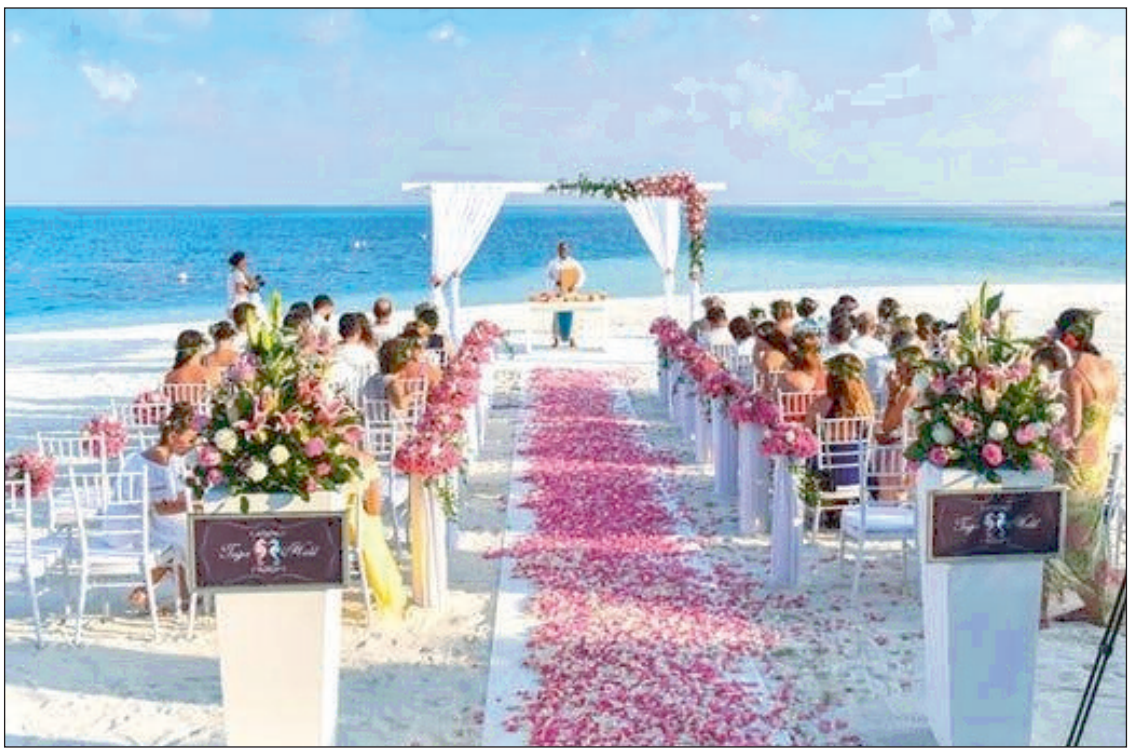

पास Certificate हो तो भी आप निश्चित रूप से आगे बढ़ सकते हैं। Wedding Planner बनने के लिए आपको अपने Client से संबंधित सभी जरूरतों पर ध्यान देना होगा जिससे उनको उचित परिणाम दिया जा सके। इसके अलावा अगर आपके पास कुछ Communication Skill के अलावा Dressing Sans अच्छा हो तो आप निश्चित रूप से Wedding Plainer की भूमिका निभा सकते हैं।वेडिंग प्लानर बनने के लिए आपके पास आपकी पूरी टीम होनी चाहिए।

वेडिंग प्लानर के उद्देश्य

जिस जगह पर शादियों को पवित्र बंधन के रूप में जाना जाता है। वही शादी के पीछे कई सारी तैयारियों को भी ध्यान में रखा जाता है ऐसी स्थिति में वेडिंग प्लानर का मुख्य उद्देश्य किसी भी शादी में सभी रीति-रिवाजों के मनोरंजन प्रदान करना और किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देना होता है। जिससे शादी को और भी अच्छे तरीके से संपन्न कराया जा सके और लोगों का ध्यान भी आकर्षित किया जा सके वेडिंग प्लानर का शादी को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

वेडिंग प्लानर के कार्य

यदि आप एक वेडिंग प्लानर है या आप Wedding Planner बनना चाहते हैं तो आपको इसके कार्यों के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए जो हम आपको बताने वाले हैं। एक वडिंग प्लानर की जिम्मेदारी विवाह के सभी कार्यों को समय पर संपन्न करवाने की होती है जैसे- कार्यक्रम स्थल की सजावट, कार्यक्रम में लाइट की व्यवस्था, भोजन की व्यवस्था, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, खाने और सोने की व्यवस्था, कार्यक्रम को मनोरंजन नियुक्त बनाने के लिए संगीत और डांस की व्यवस्था आदि सभी कार्यों को व्यवस्थित और समय पर पूर्ण करने की जिम्मेदारी एक वेडिंग प्लानर की ही होती है।

मिसाल बने डीएम : उत्तराखंड के इस रॉबिनहुड IAS को लोग कर रहे सलाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 2 दिसंबर , देश में सबसे सम्मानित व्यक्ति और अफसर वो है जो समाज के लिए कुछ करने का जज़्बा रखता है। ओहदा और कुर्सी पा कर अपना फ़र्ज़ निभाता हैं और नई पीढ़ी के लिए एक नज़ीर बन जाता है। ऐसे अधिकारी समाज की उम्मीद बनकर लोगों के बीच हीरो बन जाते हैं। उत्तराखंड में एक ऐसे ही आईएएस अधिकारी डॉ. संतोष गहरवार भी हैं जो बेमिसाल काम करते दिखाई दे रहे हैं। टिहरी जिले के डीएम डॉ. संतोष गहवार ने पहाड़ के लोगों का दर्द देखा तो खुद को उससे जोड़ लिया और अपने डॉक्टरी ज्ञान से आम जन का दर्द बांटकर उन्हें राहत दे रहे हैं।

पहाड़ के लोगों की ज़िंदगी में मुसीबतें बेहिसाब हैं उनमें सबसे बड़ी है बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं , सबसे ज्यादा खामियाजा गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को ही भुगतना पड़ता है। आलम यह है कि महिलाओं को अल्ट्रासाउंड कराने और अन्य बीमारियों के इलाज के लिए श्रीनगर, ऋषिकेश और देहरादून तक की दौड़ लगानी पड़ती है। लेकिन, डॉक्टर डीएम संतोष गहरवार की जिले में तैनाती ने माहौल को बदल दिया है। बेलेश्वर के लोगों को फिलहाल डीएम डॉ. सौरभ गहरवार ने खुद लोगों का दर्द दूर करने की जिम्मेदारी उठाई है। अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं , और मरीज़ों का दर्द बाँट रहे हैं। बीते दिनों जब डीएम ने एक दिन में 80 महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया तो लोग इन्हे भगवान मानने लगे हैं।

बेलेश्वर सीएचसी में निरीक्षण के लिए पहुंचे थे जिलाधिकारी

डीएम के नियुक्ति पहले भी टिहरी में थी, लेकिन वर्ष 2021 में उनका तबादला चमोली जिले में कर दिया गया था। इसका टिहरी के लोगों ने जमकर विरोध किया। डीएम के तबादले के विरोध में जनता सड़कों पर उतर आई। जनाक्रोश न थमता देख सरकार को अपना फैसला बदलना पड़ा। डॉ. संतोष गहरवार को फिर से टिहरी जिले की कमान सौंपी गई। इसके बाद जनता शांत हुई। डीएम का लोगों के बीच इसके बाद से लगातार संपर्क बढ़ा है। वे अधिक पॉपुलर हो रहे हैं। इसी बीच उनके सामने बेलेश्वर सीएचसी में अल्ट्रासाउंड न हो पाने का मामला आया।

सीएचसी पहुंच कर शुरू कर दिया इलाज डीएम ने लोगों की परेशानी जानने के बाद बेलेश्वर सीएचसी का दौरा किया। डीएम वहां बतौर डॉक्टर बैठे। 80 गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड किए। उन्हें जरूरी परामर्श दिया। डीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक निर्देश दिए।

दरअसल, डॉ. गहरवार के बलेश्वर आने की सूचना मिलते ही दूरस्थ क्षेत्रों के 250 लोगों ने अल्ट्रसाउंड के लिए पंजीकरण करवा लिया था। डीएम ने कहा कि वह दोबारा यहां आकर उनका अल्ट्रासाउंड भी करेंगे, जिनका आज नहीं हो पाया। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. गहरवार पहले पिथौरागढ़ जिले के गंगोलीहाट और नई टिहरी के बौराड़ी अस्पताल में लोगों के अल्ट्रासाउंड कर चुके हैं।

रेडियोलॉजिस्ट रह चुके हैं डीएम

डीएम डॉ. संतोष गहरवार रेडियोलॉजिस्ट रह चुके हैं। डीएम सौरभ गहरवार ने एमबीबीएस की पढ़ाई बीएचयू से की। इसके बाद एम्स दिल्ली से एमडी किया। वर्ष 2016 बैच के आईएएस हैं। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं का नौ माह के दौरान कम से कम दो बार अल्ट्रासाउंड हो जाए, तो काफी हद तक गर्भ में शिशु की ग्रोथ का अनुमान लग जाता है। जब बेलेश्वर सीएचसी में अल्ट्रासाउंड मशीन होने के बाद भी महिलाओं की परेशानी का मामला सामने आया तो उचित ऐक्शन लिया।डीएम ने कहा कि जिले में अभी एक और रेडियोलॉजिस्ट हैं। उन्होंने तय किया है कि अगर वे दौरे पर होंगे तो स्वयं जाकर अल्ट्रासाउंड करेंगे। गर्भावस्था के 9 माह में समय में महिलाओं की दो बार जांच जरूर हो जाए।

यूएस नगर में भू-जल स्तर गिरने पर जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 2 दिसम्बर , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त की अध्यक्षता में आत्मा परियोजना के सौजन्य से जनपद में मक्का उत्पादन हेतु कृषक वैज्ञानिक संवाद बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों, किसानों तथा कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के विभिन्न विकास खण्डों मे गिर रहे भू-जल स्तर पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि जनपद में खेती सतत रूप से चलती रहे और जनपद का भू-जल स्तर भी न गिरे।

उन्होंने कहा कि समर पेडी के स्थान पर वैकल्पिक रूप से मक्का की खेती एवं अन्य दलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित किया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि मक्का उत्पादक किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिले। जिलाधिकारी ने जनपद में मक्का की कीमत निर्धारित करने हेतु कम्पनियों के अधिकारियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिये। जिलाधिकारी ने समस्याएं एवं सुझाव जानने तथा एक प्रभावी कार्य योजना तैयार कराने के लिए मक्का की आवश्यकता वाली कम्पनियों, मक्का बीज उत्पादकों तथा किसानों के साथ अलग-अलग बैठक कराने के पश्चात शीघ्रता से एक संयुक्त बैठक

आयोजित कराने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिये ताकि कम्पनियों तथा किसानों में सहमति के आधार पर अच्छी कार्य योजना तैयार की जा सके। जिलाधिकारी ने रिद्धी सिद्धी तथा गुजार अम्बुजा कम्पनी के प्रतिनिधियों से स्थानीय मक्का उत्पादक किसानों की भुगतान लिस्ट मुख्य कृषि अधिकारी को उपलब्ध कराने को कहा ताकि जनपद में मक्का उत्पादक किसानों की वास्तविक संख्या पता चल सके। जिलाधिकारी ने किसानों तथा मक्का उत्पादक किसानों को आपस में जोड़ने के लिए एफपीओ बनाने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा ने बताया कि धान की दो फसल लेने से खरीफ की मुख्य फसल में कीट एवं रोगों का प्रकोप बढ़ाने की संभावना रहती है, भू-जल स्तर गिरता है, मृदा का स्वास्थ्य खराब होना, मृदा में कडी परत का बनना, भूमि में दो बार पडलिंग से मिथेन गैस का उत्पादन होना जोकि प्यावरण के लिए हानिकारक है आदि समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने बताया कि समर पेडी के स्थान पर मक्का का उत्पाद किया जा सकता है या दलहनी फसलों को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने मक्का उत्पादन से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। बै ठ क में कृषकों द्वारा विभिन्न बिन्दुओं पर महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये तथा कम्पनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी बात रखी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, किसान ठा0 जगदीश सिंह, अनिल दीप महल, रवि कान्त वर्मा, अमरजीत सिंह, विशाल मण्डल, राहुल कुमार, अशोक सिंह, मनोज सिंह, सुरेन्द्र गाबा, अमित कुमार, इन्द्रजीत सिंह सहित विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संपादकीय

जी-20 : भारत अध्यक्षता

जी 20 की पिछली 17 अध्यक्षताओं के दौरान वृहद आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने, अंतरराष्ट्रीय कराधान को तर्कसंगत बनाने और विभिन्न देशों के सिर से कर्ज के बोझ को कम करने समेत कई महत्वपूर्ण परिणाम सामने आये. हम इन उपलब्धियों से लाभान्वित होंगे तथा यहां से और आगे की ओर बढ़ेंगे. अब, जबकि भारत ने इस महत्वपूर्ण पद को ग्रहण किया है, मैं अपने आपसे यह पूछता हूं- क्या जी-20 अभी भी और आगे बढ़ सकता है? क्या हम समग्र मानवता के कल्याण के लिए मानसिकता में मूलभूत बदलाव को उत्प्रेरित कर सकते हैं? मेरा विश्वास है कि हम ऐसा कर सकते हैं. हमारी परिस्थितियां ही हमारी मानसिकता को आकार देती हैं. पूरे इतिहास के दौरान, मानवता अभाव में रही. हम सीमित संसाधनों के लिए लड़े, क्योंकि हमारा अस्तित्व दूसरों को उन संसाधनों से वंचित कर देने पर निर्भर था. विभिन्न विचारों, विचारधाराओं और पहचानों के बीच, टकराव और प्रतिस्पर्धा आदर्श बन गये. दुर्भाग्य से, हम आज भी उसी शून्य-योग की मानसिकता में अटके हुए हैं. हम इसे तब देखते हैं, जब विभिन्न देश क्षेत्र या संसाधनों के लिए आपस में लड़ते हैं. हम इसे तब देखते हैं, जब आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को हथियार बनाया जाता है. हम इसे तब देखते हैं, जब कुछ लोगों द्वारा टीकों की जमाखोरी की जाती है, भले ही अरबों लोग बीमारियों से असुरक्षित हों. कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि टकराव और लालच मानवीय स्वभाव है. मैं इससे असहमत हूं. अगर मनुष्य स्वाभाविक रूप से स्वार्थी है, तो हम सभी में मूलभूत एकात्मता की हिमायत करने वाली इतनी सारी आध्यात्मिक परंपराओं के स्थायी आकर्षण को कैसे समझा जाए? भारत में प्रचलित ऐसी ही एक परंपरा है, जो सभी जीवित प्राणियों और यहां तक कि निर्जीव चीजों को भी एक समान ही पांच मूल तत्वों- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश- के पंचतत्व से बना हुआ मानती है. इन तत्वों का सामंजस्य- हमारे भीतर और हमारे बीच भी- हमारे भौतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण के लिए आवश्यक है. भारत की जी-20 की अध्यक्षता दुनिया में एकता की इस सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देने की ओर काम करेगी. इसलिए हमारी थीम 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है. यह सिर्फ एक नारा नहीं है. यह मानवीय परिस्थितियों में उन हालिया बदलावों को ध्यान में रखता है, जिनकी सराहना करने में हम सामूहिक रूप से विफल रहे हैं. आज हमारे पास दुनिया के सभी लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त उत्पादन करने के साधन हैं. आज, हमें अपने अस्तित्व के लिए लड़ने की जरूरत नहीं है, हमारे युग को युद्ध का युग होने की जरूरत नहीं है. ऐसा बिलकुल नहीं होना चाहिए. आज हम जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं, बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है.

परेड की सलामी लेंगे सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, आज को होगी ग्रेजुएशन सेरेमनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

10 दिसंबर को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में होने वाली पासिंग आउट परेड में निरीक्षण अधिकारी सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे होंगे। इस दौरान देश-विदेश के 344 जेंटलमैन कैडेट बतौर अधिकारी अपने-अपने देश की सेना का अभिन्न अंग बनेंगे। जिनमें 10 मित्र देशों के 30 कैडेट शामिल हैं। शुक्रवार को आईएमए में ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा।

अकादमी प्रबंधन परेड की तैयारियों में जुटा हुआ है। पासिंग आउट परेड की जेंटलमैन कैडेट जमकर रिहर्सल कर रहे हैं। अकादमी अधिकारियों के अनुसार दो दिसंबर को ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित होगी, जिसमें आर्मी कैडेट कॉलेज विंग के कैडेट को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की डिग्री से दीक्षित किया जाएगा।

इसके बाद एसीसी विंग के यह कैडेट अकादमी का हिस्सा बन जाएंगे। सात दिसंबर को कमांडेंट अवार्ड सेरेमनी आयोजित होगी। जिसमें सैन्य प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट को पुरस्कृत किया जाएगा। आठ दिसंबर की सुबह कमांडेंट परेड होगी, जबकि मुख्य पासिंग आउट परेड से एक दिन पहले नौ दिसंबर को अकादमी में मल्टी एक्टिविटी डिस्प्ले शो आयोजित किया जाएगा।

बता दें, आईएमए एक अक्तूबर 1932 को अस्तित्व में आया था। पिछले 90 वर्षों में अकादमी ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता 40 से 1650 जेंटलमैन कैडेट तक बढ़ा दी है। इस दौरान अकादमी ने भविष्य की चुनौतियों व युद्धक्षेत्र की जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए अपने पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण पद्धति और बुनियादी ढांचे में दूरगामी बदलाव किए हैं। अभी तक 64,145 जेंटलमैन कैडेट अकादमी से पास आउट हुए हैं। इनमें 35 मित्र देशों के 2813 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं।

पहली बार नहीं होंगे अफगान कैडेट

भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड में 10 वर्षों में पहली बार कोई अफगान कैडेट नहीं होगा। वर्ष 2011 में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के तहत भारतीय सैन्य अकादमी ने अफगान कैडेटों को प्रशिक्षित करना शुरू किया था। बीती 11 जून को आयोजित परेड में 43 अफगान कैडेट का आखिरी बैच अकादमी से पास आउट हुआ था। ये युवा तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे से पहले यहां आए थे।

तालिबान के कब्जे के बाद अफगान नेशनल आर्मी का अस्तित्व समाप्त हो गया। जिससे आईएमए और अन्य रक्षा संस्थानों में उनका प्रशिक्षण भी बंद हो गया है। हालांकि ये कैडेट अभी इंडिया में ही हैं। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा इन कैडेट को अलग-अलग जगहों पर रखा गया है। जानकारी के अनुसार इन कैडेट को अलग-अलग कोर्स कराए जा रहे हैं।

खत्म हुआ लंबा इंतजार, देहरादून पंतनगर से शुरू होगी पिथौरागढ़ हवाई सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में अगले वर्ष पिथौरागढ़ के लिए हवाई सेवा का संचालन शुरू हो जाएगा। पिथौरागढ़ के लिए 19 सीटर हवाई जहाज से ये हवाई सेवा हिंडन, देहरादून और पंतनगर से शुरू की जाएगी। इसके साथ ही चिन्यालीसौड़ व गौचर में हवाई सेवा शुरू करने के लिए इन्हें उड़ान 5.0 के टेंडर में शामिल किया जाएगा।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर यह जानकारी दी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि पिथौरागढ़ से फिक्सड विंग एयरक्राफ्ट सेवाएं शुरू करने के लिए फ्लाई बिग एयरलाइन को निर्देशित किया गया है। यह एयरलाइन 31 जनवरी से इसका संचालन शुरू करेगी।

हवाई सेवा पिथौरागढ़-हिंडन, हिंडन-पिथौरागढ़, देहरादून-पिथौरागढ़ और पिथौरागढ़ देहरादून और पंतनगर-पिथौरागढ़, पिथौरागढ़-पंतनगर मार्ग पर संचालित की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि पंतनगर एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने के लिए एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया नौ नवंबर को सर्वे कर चुकी है।

इसका चार्ट बनाया जा रहा है। इसकी रिपोर्ट दिसंबर के तीसरे सप्ताह में मिलेगी। इसके बाद ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देहरादून एयरपोर्ट, जौलीग्रांट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विस्तारीकरण के लिए राज्य सरकार को मानकों के अनुरूप चिह्नित भूमि निश्शुल्क उपलब्ध करानी होगी।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

मिलिए सेना के सबसे नए वायु योद्धा 'अर्जुन' से, जो दुश्मन के ड्रोन को गिराने के लिए प्रशिक्षित हैं

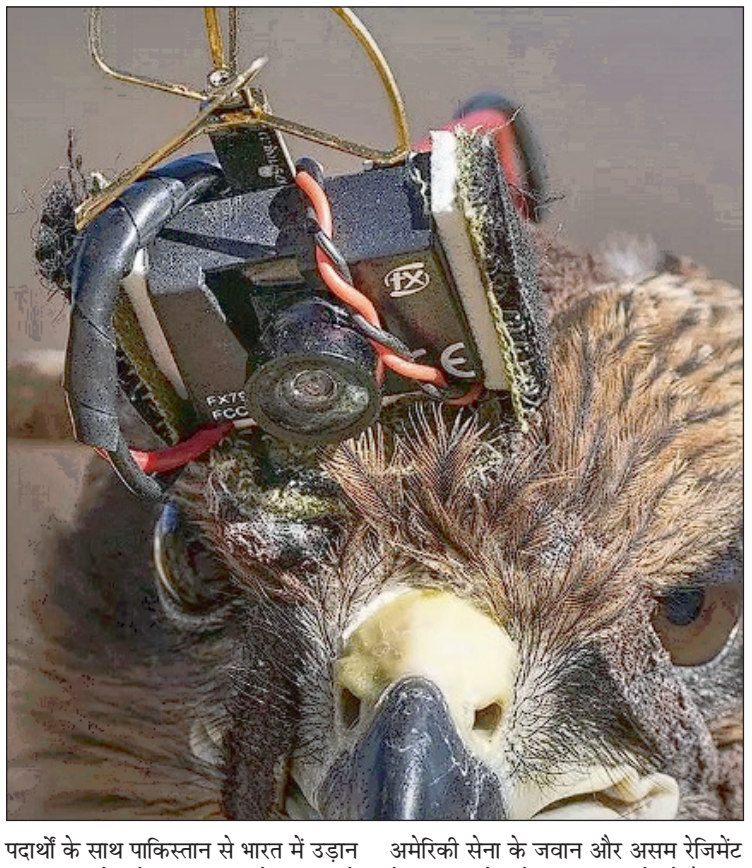

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

'महाभारत' में अपने हमनाम की तरह, अर्जुन की निगाहें लगातार लक्ष्य पर टिकी हैं। कुछ कुशल चालों में जिसने प्राचीन महाकाव्य योद्धा को गौरवान्वित किया होगा, अर्जुन, जो वास्तव में एक काली पतंग है, एक शॉट की तरह अपने हैंडलर की बांह से दूर है और आसमान में अपने लक्ष्य पर झपट्टा मारता है - एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन।मंगलवार को औली में भारतीय और अमेरिकी सेनाओं के द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास में हुई कार्रवाई, यह पहला सार्वजनिक प्रदर्शन था कि कैसे काली पतंग और बाज़ जैसे शिकारी पक्षियों को दुश्मन के ड्रोन / क्वाडकोप्टर का शिकार करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।पहल के बारे में बात करते हुए, भारतीय सेना के पीआरओ, कर्नल सुधीर चमोली ने कहा, "पतंगों को प्रशिक्षित करने की परियोजना 2020 में शुरू की गई थी।प्रशिक्षण की प्रक्रिया अभी भी जारी है। एक बार प्रशिक्षण पूरा हो जाने के बाद सेना तय करेगी कि प्रशिक्षित पक्षियों का इस्तेमाल कहां और कब करना है।

प्रशिक्षण से जुड़े एक अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा, ₹प्रशिक्षण उन अभिनव उपायों का हिस्सा है, जिन्हें हम दुश्मन द्वारा उत्पन्न खतरे को बेअसर करने के लिए अपनाते रहते हैं। इन प्रशिक्षित पक्षियों को चीन और पाकिस्तान सीमा के पास के क्षेत्रों में निगरानी के उद्देश्य से भी तैनात किया जा सकता है।"इस बीच, मंगलवार को औली में, अर्जुन और उसके साथी 'वायु योद्धा', जिन्हें मेरठ में सेना के रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर सेंटर में प्रशिक्षित किया गया था, को एक आधुनिक सैनिक की तरह हर इंच अपने कार्य के बारे में बताते हुए देखा जा सकता है। उनके सिर पर छोटे कैमरे लगे हैं। सेना के एक अधिकारी ने कहा कि कैमरे वीडियो रिकॉर्ड करने और निगरानी के उद्देश्य से हैं, यह कहते हुए कि वे सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी अभियानों में बहुत उपयोगी हो सकते हैं।संयोग से, मंगलवार को ही, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर जिले में एक ड्रोन को मार गिराकर सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया था, जो 3 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थों के साथ पाकिस्तान से भारत में उड़ान भर रहा था।सेना के अधिकारियों ने कहा कि ये प्रशिक्षित पतंगें सीमा पार से आने वाले ड्रोन के बढ़ते खतरे से निपटने में सुरक्षाकर्मियों की क्षमताओं को मजबूत कर सकती हैं, खासकर पंजाब और जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती इलाकों में।भारत-अमेरिका संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास में 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की दूसरी ब्रिगेड के अमेरिकी सेना के जवान और असम रेजिमेंट के भारतीय सेना के जवान भाग ले रहे हैं। इस बीच, चीन ने बुधवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास का विरोध करते हुए कहा कि यह ₹नई दिल्ली और बीजिंग के बीच हस्ताक्षरित सीमा समझौतों का उल्लंघन करता है।

मरीज को कोविड-19 की रिपोर्ट नहीं देने पर डॉ लाल पैथोलॉजी लैब पर जुर्माना

Dr Lal PathLabs
India's leading and most reputed diagnostic chain

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की एक जिला उपभोक्ता अदालत ने डॉ. लाल पैथोलॉजी लैब को पहले नमूने की रिपोर्ट नहीं देने और कृत्रिम ऑक्सीजन पर रहने वाले एक मरीज का दूसरा नमूना खो देने और ऑक्सीजन स्तर के नीचे चले जाने के बाद जीवन के लिए संघर्ष करने में ₹घोर लापरवाही₹ करने वाला पाया। 83%₹ मई 2021 में कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान।गंभीर रूप से संक्रमित मरीज आदेश कुमार भसीन का ऑक्सीजन मास्क हटाकर दो दिन के भीतर दोनों नमूने लिए गए, जिसके लिए 2400 रुपये की राशि का भुगतान किया गया. अदालत ने पैथ लैब को दून स्थित भसीन को ₹मानसिक उत्पीड़न के लिए 25,000 रुपये के मुआवजे और कानूनी खर्च के लिए 5,000 रुपये के मुआवजे₹ के साथ राशि वापस करने का आदेश दिया।भसीन ने अपनी याचिका में कहा है कि पहला नमूना उनके घर से 3 मई 2021 को और दूसरा 6 मई 2021 को लिया गया था। उन्हें लैब से तीन संदेश मिले कि उनका नमूना लिया गया था लेकिन उन्हें कभी कोई रिपोर्ट नहीं मिली।उन्होंने आगे कहा कि चूंकि महामारी की दूसरी लहर के दौरान अस्पतालों में कोई कमरा उपलब्ध नहीं था, जो अधिक घातक साबित हुआ, इसलिए उन्होंने अपने घर पर ऑक्सीजन और दवा की व्यवस्था करके होम आइसोलेशन में अपना इलाज जारी रखा.पैथ लैब ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मई और जून 2021 में दूसरी बार कोविड की बड़ी लहर के कारण, सभी प्रयोगशालाओं पर अत्यधिक दबाव था जिसके बाद नमूना खो गया था।₹उस दौरान कई पैथ लैब कर्मचारियों को 'गंभीर चुनौतियों' का सामना करना पड़ा, लेकिन वे कोविड रोगियों के नमूने एकत्र करते रहे। यह जानने पर कि भसीन का नमूना खो गया है, उन्होंने एक नया नमूना एकत्र करने के लिए प्राथमिकता पर उनसे संपर्क किया, और उन्हें बताया गया कि वह किसी भी परीक्षण से नहीं गुजरना होगा क्योंकि वह तब तक ठीक हो चुका था,₹ लैब ने कहा।लैब ने आगे कहा कि ₹उन्होंने मरीज को अपने पैसे वापस करने की पेशकश की थी जिसे उसने स्वीकार करने से इनकार कर दिया।₹दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने कहा कि ₹पैथ लैब की ओर से घोर लापरवाही ऐसे समय में सेवा में कमी है जब एक मरीज अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहा था₹।यह भी कहा कि चूंकि मरीज को इतनी बुरी हालत में मानसिक आघात से गुजरना पड़ा था, इसलिए उसे मानसिक पीड़ा के लिए 25,000 रुपये का मुआवजा देना उचित होगा। कोर्ट ने पैथ लैब को आदेश के 30 दिनों के भीतर मुआवजा देने का आदेश दिया, वरना उपभोक्ता मुकदमा दर्ज करने की तारीख से पूरी राशि पर 9 फीसदी ब्याज पाने का हकदार होगा.इस बीच, लैब के बिक्री प्रमुख महेन सिंह ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि ₹इस मामले पर केवल कॉर्पोरेट कार्यालय ही बोल सकता है₹।

उत्तराखंड के छात्र का दावा है कि कॉलेज के सीनियर्स ने उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पुलिस ने कहा कि बीबीए प्रथम वर्ष के एक छात्र ने आरोप लगाया है कि एक निजी छात्रावास में उसके कमरे में एक सहपाठी और दो वरिष्ठों ने उसके कपड़े उतरवाए और उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया।

ऋषिकेश की रहने वाली पीड़िता यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज की छात्रा है।प्रेम नगर पुलिस स्टेशन के एसएचओ प्रदीप बिष्ट ने गुरुवार को कहा कि आरोपी ने कथित तौर पर एक वीडियो भी बनाया और पीड़िता को 60,000 रुपये का भुगतान नहीं करने पर इसे वायरल करने की धमकी दी।

उन्होंने कहा कि विरोध करने पर उन्होंने कथित तौर पर पीड़ित की पिटाई भी की।पीड़िता ने कथित घटना का वीडियो पुलिस को मुहैया कराया है। वीडियो में आरोपी के अलावा दो और छात्र दिखाई दे रहे हैं, बिष्ट ने कहा, उनकी पहचान का पता लगाया जा रहा है।बिष्ट ने कहा कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर पीड़िता के सहपाठी आकाश गुप्ता और उसके दो वरिष्ठ छात्रों विशाल मुलिक और सैम संजयिन के खिलाफ तीन आरोपी छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.संपर्क करने पर यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज के रजिस्ट्रार मनीष मदान ने कहा कि इस घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।